तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान

(केन्द्रीय रेशम बोर्ड – वस्त्र मंत्रालय – भारत सरकार)

राँची – 835 303, झारखण्ड

तसर रेशम कृषक - सफलता की कहानी

झारखण्ड राज्य के संथाल परगना में ग्राम बजरीसोल, प्रखण्ड काठीकुंड, जिला दुमका की एक महिला **श्रीमती बड़की हेम्ब्रम** कई वर्षों से कीटपालन कार्य कर रही थी परंतु तकनीकी जानकारी के अभाव में उनका तसर कोकून उत्पादन बहुत ही कम, जैसे 10 से 15 कोसा प्रति डिम्भ (dfl) समूह होता था जिसके कारण उनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय थी। फिर भी रोजगार के अभाव में एवं कोई अन्य आय का साधन न होने के कारण वे लगातार तसर कोकून उत्पादन के कार्यों से जुड़ी रहीं और उन्होंने अपनी हार नहीं मानी। इसी दौरान केन्द्रीय तसर अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान, राँची (CTR&TI, Ranchi) के अधीन कार्यरत **क्षेत्रीय तसर अनुसंधान केन्द्र, दुमका** द्वारा श्रीमती बड़की हेम्ब्रम को **स्वयं सहायता समूह** के साथ जोड़कर उन्हें रेशम साथी बनाया एवं साथ ही अन्य दो महिलाओं को तसर बीज कीटपालक बनाकर इन सभी को CTR&TI द्वारा विकसित तसर कोसा उत्पादन सम्बन्धी नवीनतम तकनीकियों में कौशल विकास हेतु व्यावहारिक प्रदान प्रशिक्षण दिया। इसके उपरांत श्रीमती बड़की हेम्ब्रम द्वारा प्रथम फसल में बीजोत्पादन हेतु रेशमकीट पालन कार्य तथा उससे प्राप्त बीज कोसों से बीजागार कार्य भी करवाया गया जिसमें उन्होंने अत्यधिक सफलता हासिल की और उनका उत्पादन 60 कोसा प्रति डिम्भ समूह की दर से हुआ। इस प्रकार वर्ष भर उनके द्वारा कीटपालन करने से उन्हें प्रथम एवं द्वितीय फसल के दौरान 60 से 70 कोकून प्रति डिम्भ समूह (dfl) की दर से प्राप्ति हुई जिससे उनको बीज कोसा से बीजगार करने एवं अण्डा बेचने तथा कटे / फोकी कोसा बेचने से लगभग रु.1,10,000/- की आय हुई। इससे उनकी आर्थिक स्थिति काफी सुधर गयी और उत्साहित होकर उन्होंने CTR&TI द्वारा विकसित नवीनतम तकनीक, अर्ध-संश्लेषित भोज्य पदार्थ (Semi-synthetic Diet) खिलाकर तसर रेशम कीटपालन का कार्य भी किया है।

तसर उत्पादन से अधिक आय होने पर उन्होंने अपने कच्चे मकान (पुआल का मकान) को तुड़वाकर पक्के मकान (खपरैल की मकान) बनवा लिया एवं आने-जाने हेतु नई मोटर साइकिल भी खरीद ली तथा अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ने के लिए नामांकन भी करवा दिया। उन्होंने यह भी वायदा किया कि वे जीवन भर तसर रेशम कीटपालन का कार्य नहीं छोड़ेंगी।

श्रीमती बड़की दीदी हेम्ब्रम एवं
उनके मकान की फोटो